जग-जीवन

श्री सुमित्रानंदन पंत

गाता खग प्रात: उठकर -
सुन्दर सुखमय जग-जीवन
गाता खग संध्या तट पर -
मंगल मधुमय जग-जीवन ।

कहती अपलक तारावलि
अपनी आँखों का अनुभव
अवलोक आँख आँसू की
भर आतीं आँखें नीरव ।

हँसमुख प्रसून सिखलाते
पलभर है, जो हँस पाओ
अपने उर के सौरभ से
जग का आँगन भर जाओ ।

उठ-उठ लहरें कहतीं यह
हम कूल विलोक न पाएँ
पर इस उमंग में बह-बह
नित आगे बढ़ते जाएँ ।

कँप-कँप हिलोर रह जाती
रे मिलता नहीं किनारा
बुदबुद विलीन हो चुपके
पा जाता आशय सारा ।।

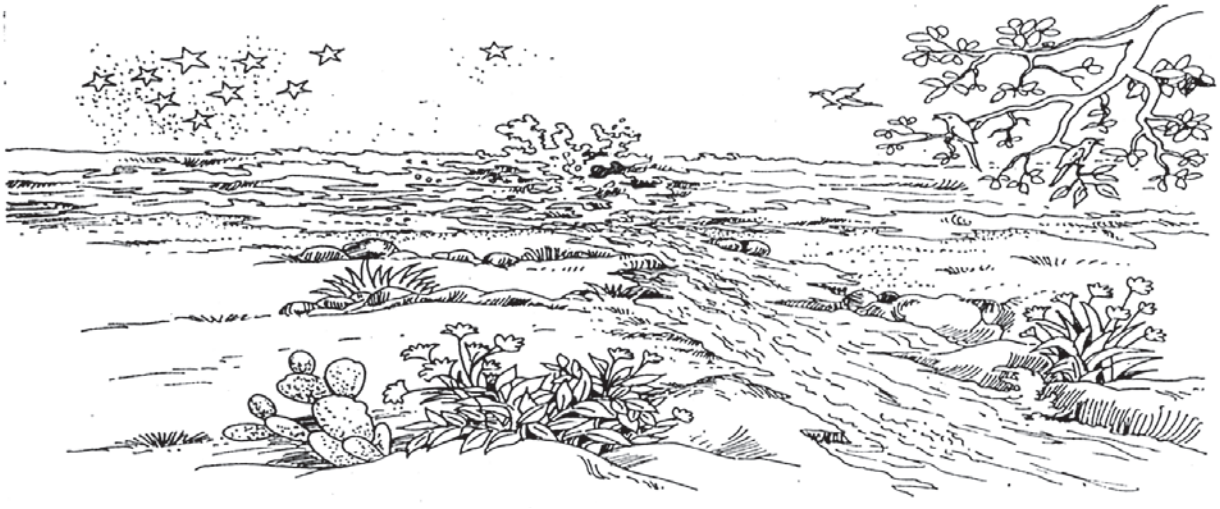

भावबोध :- *यह कविता प्रसिद्ध छायावादी कवि सुमित्रानन्दन पंत के द्वारा लिखी गई है । पंत जी का जन्म उत्तरांचल के अल्मोड़ा जिले में हुआ था । इसलिए उन्होंने बचपन से ही हिमालय की अत्यंत सुन्दर प्रकृति की शोभा देखी । उससे प्रभावित हुए । इस कविता में प्रकृति के विभिन्न रूप मानव-जीवन को अनेक सीख देते हैं । वे जग-जीवन को मंगल और मधुमय मानते हैं । आकाश की तारावली, हँसते हुए फूल, नदियों-सागर में उठती हुई लहरें सभी मानव जीवन का गुणगान कर रही हैं एवं उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में किसी न किसी रूप में प्रोत्साहित करती हैं ।*

- शब्दार्थ -

खग - पक्षी । तारावली - तारों की पंक्तियाँ । अवलोक - देखना । प्रसून - कुसुम, फूल । पलभर - क्षणभर, पलक गिरने तक का समय । उमंग - उल्लास । सौरभ - सुगंध । हिलोर - तरंग, लहर । विलोक - देख । किनारा - कूल । विलीन - अदृश्य, लुप्त ।

प्रश्न और अभ्यास

1. दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) 'जग-जीवन' कविता का सारांश लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

(ii) निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा हमें कहाँ से मिलती है ? उदाहरण सहित समझाइए ।

(iii) इस कविता के माध्यम से कवि हमें क्या संदेश देते हैं ?

2. अति संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) पक्षी प्रात:काल क्या गाते हैं ?

(ii) संध्याकाल में पक्षी क्या गाते हैं ?

(iii) फूल हमें क्या संदेश देते हैं ?

(iv) लहरों से हम कौन-सी शिक्षा ग्रहण करते हैं ?

(v) अपने हृदय के सौरभ से फूल किसका आँगन भरते है ?

(vi) किसको किनारा नहीं मिलता ?

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

(i) हँसमुख प्रसून सिखलाते
पलभर है, जो हँस पाओ
अपने उर के सौरभ से
जग का आँगन भर जाओ ।

(ii) गाता खग प्रात: उठकर -
सुन्दर सुखमय जग-जीवन
गाता खग संध्या तट पर -
मंगल मधुमय जग-जीवन ।

भाषा ज्ञान

4. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -

खग, आँख, कूल, लहर, प्रसून, संध्या, जग

5. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -

सुन्दर, सुखमय, हँसना, विश्वास, शुभ ।

6. निम्नलिखित शब्दों के प्रेरणार्थक रूप लिखिए -

उठना, सीखना, हँसना, मिलना, बढ़ना, चढ़ना ।

7. इस कविता से वे पंक्तियाँ चुनकर लिखिए जो हमें निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं ।

●